

## 14.11.

Μνήμη τού Αγίου καί πανευφήμου Αποστολου Φιλίππου

Ὁμῶς ἡ βερεβάλεια ἄλλα φίλιπα.

**6. hlas // 2<sup>nd</sup> plag. echos**

Τού μεγάλου Φίλιππε φωτός

Am 50, Dk 96, Ott 61r (125), Trin 62v,  
G355 104v, G260 46r (49), G261 39v (42), G262 45r (46), G265 42v, G270 41r

Vi 52, G356 18r (23)

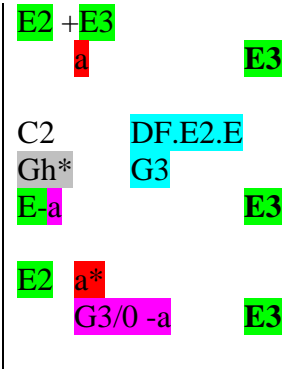
Pp 53v, S439 36r  
S411/31 –,  
S414 388v, S442 119r (diskontinuitný nápev, neprepisujem)

Εἰς τό, Κύριε ἐκέκραξα, Δόξα... Ἦχος πλ. β', Βύζαντος

Τοῦ μεγάλου Φίλιππε φωτός ταῖς ἀστραπαῖς.  
πυρωθεῖς παγκόσμιος ἐξέλαμψας φωστήρ.

τόν Πατέρα δέ τῶν φώτων, ἐν Υἱῷ ζητήσας εὖρες,  
ἐν τῷ φωτί\* τό φῶς γάρ εὐρίσκεται,  
καί γάρ οὗτος σφραγίς ἰσότυπος δηλῶν τό ἀρχέτυπον.

Ὁν Ἀπόστολε δυσώπει\*  
τούς σφραγισμένους τῷ θεῷ, περισώζεσθαι αἵματι.



**Γλῶσσα, γλῶσσ ἡ Ἰνδουστάνικη:**

Ἡελήκαγω, φίλιππε, εὐκείτα ἐληστάνηι ραζκέγλα.  
βεμίνηνι βοζεῖάλαζ ἐνὲ εὐεττήληνικαζ,

Ὁὐά κε εὐεττώεζ, ἐζ ἐήε βζυικάβεζ ὠερέλαζ ἐνὲ:  
εο εὐεττέ εο εὐεττέ ὠερεττέετα.

ἦεο τὸή πεγάτε ρενοοεράζνη, ἰαβλάα ναχιλοοεράζνοε:

ἐγόζε, ἰπλε, μολε,

ζαπεγάτεεττωεανημιζ ἐζττενηνοῦ ἐπαστήεα κρόβιο.

# Τού μεγάλου Φίλιππε φωτός

++++ Τού μεγάλου Φίλιππε φωτός  [D/E]



|      |    |   |    |   |   |   |   |   |   |   |   |   |  |
|------|----|---|----|---|---|---|---|---|---|---|---|---|--|
| Am   | >  | ü | -. | ε | ν | δ | > | - | / | > | υ | > |  |
| Trin | >  | ü | -. | ε | ν | δ | > | - | / | > | υ | > |  |
| Dk   | >  | ü | -. | ε | ν | δ | > | - | / | > | > | > |  |
| Ott  | >  | ü | -. | ε | ν | δ | > | - | / | > | > | > |  |
| Vi   | >x | ε | /  | > | ν | > | > | > | υ | > | υ | > |  |
| G356 | >x | ε | /  | > | ν | > | > | - | υ | > | υ | > |  |
|      |    |   |    |   |   |   |   |   |   |   |   |   |  |
|      |    |   |    |   |   |   |   |   |   |   |   |   |  |
| Pp   | => | ε | ε  | ε | ε | ν | υ | υ | ε | ε |   |   |  |
|      |    | ε | ε  | ε | ε | ν | υ | υ | ε | ε |   |   |  |
| S439 | =υ | ε | ε  | ε | ε | ν | υ | υ | ε | ε |   |   |  |
|      |    | ε | ε  | ε | ε | ν | υ | υ | ε | ε |   |   |  |

Τού με- γά-λου Φί- λιπ- πε φω- τός ταίς α-στρα- παίς

ΛΗ\_ ΚΑ\_ Α\_ ΓΟ\_ ΦΗ\_ ΛΗ\_ ΠΕ\_ ΣΒ\_ Ξ\_ Τ\_

ΛΗ\_ ΚΑ\_ Α\_ ΓΟ\_ ΦΗ\_ ΛΗ\_ ΠΕ\_ ΣΒ\_ Ξ\_ Τ\_ Α\_ ΟΥ\_ Υ\_ Α\_ ΜΗ\_



|         |    |   |   |   |   |   |   |   |    |    |    |   |   |
|---------|----|---|---|---|---|---|---|---|----|----|----|---|---|
| Am      | >  | ü | ü | ε | ν | δ | > | - | /  | >  | υ  | > |   |
| Trin    |    | ü | ü | ε | ν | δ | > | - | /  | >  | υ  | > |   |
| Dk,Ott  | >  | ü | ü | ε | ν | δ | > | - | /  | >  | >  | > |   |
| G270    | >  | ü | ü | ε | ν | δ | > | - | /  | >  | >  | > |   |
| G355    | >  | ü | ü | ε | ν | δ | > | - | υ  | >  | >  | > |   |
| Vi,G356 | ε  | > | υ | > | ν | > | > | - | υ  | >  | >  | > |   |
|         |    |   |   |   |   |   |   |   |    |    |    |   |   |
|         |    |   |   |   |   |   |   |   |    |    |    |   |   |
| Pp      | >x | υ | ε | ε | ε | ν | υ | υ | => | => |    |   |   |
|         |    | υ | ε | ε | ε | ν | υ | υ | => | => |    |   |   |
| S439    | ε  | ε | ε | ε | ε | ν | υ | υ | >  | >  | >x | ε | ε |
|         |    | ε | ε | ε | ε | ν | υ | υ | >  | >  | >x | ε | ε |

πυ-ρω-θείς, παγ-κό-σμι- ος εξ- έ-λαμ-ψας φω-στήρ,

ΡΑ\_ Ζ\_ ΓΟ\_ Ρ\_ Ξ\_ Β\_ Ξ\_ Σ\_ Α\_ Β\_ Ξ\_ Σ\_ Ε\_ ΜΗ\_ Ρ\_ ΝΕ\_ ΙΕ\_ ΣΗ\_ ΣΒ\_ Ξ\_ ΤΗ\_ ΛΟ\_

ΡΑ\_ Ζ\_ ΓΟ\_ Ρ\_ Ξ\_ Β\_ Ξ\_ Σ\_ Α\_ Β\_ Ξ\_ Σ\_ Ε\_ ΜΗ\_ Ρ\_ ΝΕ\_ Β\_ Ξ\_ ΣΗ\_ ΙΑ\_ Λ\_ Ξ\_ Ε\_ ΣΗ\_ ΣΒ\_ Ξ\_ Τ\_ ΛΟ\_



G265



Am,Trin



Ott



G355



G261



Dk



Vi



G356



τόν Πα-τέ-ρα δέ τών φώ-των εν Υι-ώ ζη-τή-σας εύ-ρες,

Pp



ο\_ τῶ\_ μα\_ θε\_ του\_ πα\_ τῆ\_ ρ\_ ο\_ κ\_ ρ\_ ο\_ κ\_ τ\_ ε

S439



ω\_ τῶ\_ μα\_ θε\_ του\_ πα\_ τῆ\_ ρ\_ ο\_ κ\_ ρ\_ ο\_ κ\_ τ\_ ε



Am



Trin



Dk,Ott



Vi



G356



εν τώ φω-τί τό φώς γάρ ευ-ρί-σκε-ται,

Pp



κα\_ θε\_ του\_ πα\_ τῆ\_ ρ\_ ο\_ κ\_ ρ\_ ο\_ κ\_ τ\_ ε\_ τῶ\_ σα\_

S439



κα\_ θε\_ του\_ πα\_ τῆ\_ ρ\_ ο\_ κ\_ ρ\_ ο\_ κ\_ τ\_ ε\_ τῶ\_ σα\_



Am      ♩ — // > > ♩ > ♩ ς> > — //

Dk,Trin      ♩ — // > > ♩ > ♩ ς> >η — //

Ott      ♩ — // > > ♩ > ♩ ς >η — //

G261      ♩ — // > > ♩ > ♩ ς> > ♩: //

G355      ♩ — // > > ♩ > ♩ ς> > ♩: //

Vi      ♩ > // > > / > ♩ > ♩ >: //

G356      ♩ > // > > / > ♩ > ♩ >: //

καί γάρ ού-      τος σφρα-γίς ι-      σό- τυ-      πος δη- λών

Pp      ♩ ♩ ♩ ♩ = ♩ ♩ ♩ ♩ ♩ ♩ ♩ ♩ = ♩ ♩ = ♩

Η\_ΒΟ\_ ΤΑ\_ ΙΚΟ\_ ΖΗΝΑ\_      ΜΕ\_ ΝΗ\_ ΙΕ\_ ΡΑ\_ ΒΒ\_ ΝΟ\_ Ο\_      ΕΡΑ\_ ΖΒ\_ ΝΟ\_      Β'ΞΖ\_ Β'Κ\_ ΨΙΑ\_      ΙΑ

S439      ♩ ♩ ♩ ♩ = = ♩ ♩ ♩ ♩ ♩ ♩ ♩ ♩ = =

Η\_ΒΟ\_ ΤΑ\_ ΙΚΟ\_ ΖΗΝΑ\_      ΜΕ\_ ΝΗ\_ ΙΕ\_ ΡΑ\_ ΒΒ\_ ΝΟ\_ Ο\_      ΕΡΑ\_ ΖΒ\_ ΝΟ\_      *saltus oculorum*



Am      ♩ ♩ // > > >      ♩      Dk,Trin

Ott      ♩ ♩ // > > >      ♩      G261

G355      ♩ ♩ // > > >      >>      ♩

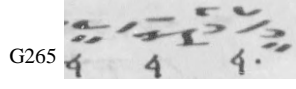
Vi      ♩ \ // > >      >>      /

G356      ♩ \ // > >      >      /

τό αρ- χέ-      τυ-      πον.

Pp      > >: ♩ \ = = ♩ = =

ΝΑ\_ ΥΑ\_ ΛΟ\_ ΟΒ\_ ΡΑ\_      ΖΒ\_      ΝΟ\_

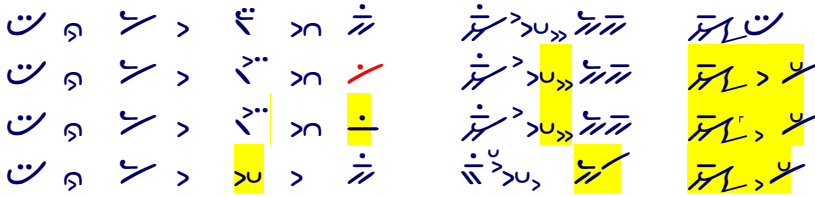


G260

G265



G261



// >u>

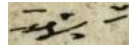
Ott



Trin



Am



Dk



Vi



G356



Όν Α- πό-στο- λε δου- σώ-

πει,

Pp



Α\_ ΠΟ\_ ΣΤΟ\_ ΛΕ\_ Ε\_ ΓΟ\_ ΖΕ\_ ΜΟ\_ ΛΗ\_

S439



Α\_ ΠΟ\_ ΣΤΟ\_ ΛΕ\_ Ε\_ ΓΟ\_ ΖΕ\_ ΜΟ\_ ΛΗ\_



G261



Am,Trin



Ott



Dk



G262



Vi



G356



τούς ε-σφρα-γι-σμέ- νους τώ θεί- ω πε- ρι- σώ- ζε-σθαι αί- μα- τι.

Pp



ΝΑ ΖΗΝΑ\_ΜΕ\_ ΝΑ\_ ΝΉΙ\_ Η\_ ΧΨ\_ ΒΟ\_ ΖΗ\_ ΙΕ\_ ΙΟΥ\_ ΣΨ\_ ΠΑ\_ ΣΤΗ\_ ΣΑ\_ ΚΡΩ\_ ΒΗ\_ ΙΟΥ.

S439



ΝΑ ΖΗΝΑ\_ΜΕ\_ ΝΑ\_ ΝΉΙ\_ Η\_ ΧΨ\_ ΒΟ\_ ΖΗ\_ Ε\_ ΙΟΥ\_ ΣΨ\_ ΠΑ\_ ΣΤΗ\_ ΣΑ\_ ΚΡΟ\_ ΒΗ\_ ΙΟΥ.